मेरा कान्हा पागल हो गया | By Soni Marwal |

मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में,
मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में।

किसी की मटकी फोड़ी,
किसी की बहियाँ मरोड़ी,
और डर-डर के सब दौड़ीं,
मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में।

गोकुल में हल्ला भारी,
अरे कहाँ गए वो मुरारी,
ग्वाल-बाल सब ढूँढें
और ढूँढें राधा प्यारी।

वो तो मुरली संग ले गया
गूजरियों के मेले में,
मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में।

देखो ये मुरली वाला
अब बन गया खाटू वाला,
कलयुग का देव निराला,
है भक्तों का रखवाला।

ये शीश का दान दे गया
हाँ भारत के मेले में,
मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में।

हर गुजरी दिल से चाहे
मेरा कान्हा मुझे सताए,
और मन ही मन में सोचे
वो मेरा माखन खाए।

वो तो सबका माखन खा गया
गूजरियों के मेले में,
मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में।

हरी ओम जो इन्हें रिझाए
अपना ये उसे बनाए,
मेरे श्याम की महिमा भारी
सोनी मारवाड़ मिल जाए।

हर भक्त ही पागल हो गया
गूजरियों के मेले में,

मेरा कान्हा पागल हो गया
गूजरियों के मेले में।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%b2-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a4%be-by-soni-marwal/